केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 17 बुधवार 5 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार ने पेश किया 59,019 करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ (आभा)। यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में 59,019.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में अनुपूरक मांगें प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट राज्य की विकास योजनाओं को गति देने, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अनुपूरक बजट का आकार चालू वित्तीय वर्ष के मूल बजट का 6.47 प्रतिशत है। इसमें 17,399.50 करोड़ रुपये राजस्व लेखे तथा 41,620.04 करोड़ रुपये पूंजी लेखे के व्यय के लिए प्रस्तावित किए गए हैं। नई योजनाओं और नई मांगों के लिए 7,854.25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय पर विशेष बल दिया है, जिससे सड़क, ऊर्जा, उद्योग, चिकित्सा, ग्रामीण विकास और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को गति मिलेगी तथा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती प्राप्त होगी।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि अनुपूरक बजट में भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए सर्वाधिक 22,107.88 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा ग्राम विकास विभाग के लिए 17,942.73 करोड़ रुपये, ऊर्जा विभाग के लिए 7,422.27 करोड़ रुपये, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 2,000.25 करोड़ रुपये, समाज कल्याण विभाग के लिए 1,655 करोड़ रुपये तथा महिला कल्याण विभाग के लिए 1,094.40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लोक निर्माण विभाग को सड़क एवं अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए 700.01 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

मानसून सत्र के दूसरे दिन नेता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष खासतौर से समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच कहा कि सपा और विपक्ष का आचरण न केवल असंवैधानिक है, बल्कि शर्मनाक भी है। विधानसभा में मंगलवार को दूसरे दिन सत्र की शुरुआत होते ही विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने आ गये और राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर नारेबाजी करने लगे। सदन में हंगामा जारी रहने और अनुरोध के बाद भी सदस्यों के अपने आसन पर न जाने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 12 बजकर 20 मिनट तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। इस बीच सपा सदस्य आसन के सामने ही धरने पर बैठे रहे। करीब सवा घंटे बाद 12 बजकर 20 मिनट पर अध्यक्ष ने दोबारा सदन की शुरुआत की और सदस्यों से आसन पर जाने पर अनुरोध किया लेकिन वे नहीं माने। सपा सदस्यों का हंगामा जारी रहा।

गैस एजेन्सी पर तोड़फोड़ का मामलाः प्रधान के भाई समेत नौ पर मारपीट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उदय एचपी गैस एजेन्सी बारीघाट पर लामबंद होकर तोड़फोड़ करने जान से मारने की धमकी देने की घटना में ग्राम प्रधान के भाई समेत नौ लोगों के खिलाफ नामजद और 20 अज्ञात पर मारपीट, बलवा, एससीएसटी सहित अन्य गंभीर धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

लालगंज थाना क्षेत्र के बारीघाट में उदय एचपी गैस एजेंसी संचालित हो रही है। एजेन्सी के प्रबंधक धीरेंद्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बरतनिया प्रधान के भाई पप्पू निषाद के उकसाने पर उमेश, संगीता, भुईला, रम्भू निषाद, सुरेखा, पूनम, रामवृक्ष, खद्दर की पत्नी सहित पंद्रह से बीस अज्ञात लोग एक राय होकर के बीती तीस जुलाई को उनके एजेंसी पर पहुंचे। लाठी डंडे से लैस होकर उन्होंने शटर खोलकर अंदर घुस गए। काउंटर पर बैठे कर्मचारी के साथ गाली गलौज और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। इसके बाद लोहे की रॉड, लाठी, डंडे से एजेंसी के अंदर रखा कंप्यूटर, शीशा, फर्नीचर, दरवाजा सीसी कैमरा, कैश काउंटर तोड़ दिया। साथ ही जब इसका विरोध किया गया तो लोगों ने प्रबंधक और उनके कर्मचारियों पर हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस और स्थानीय लोगों के पहुंचने पर लोग मौके से भाग गए। यह पूरी घटना एजेंसी पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

प्रबंधक धीरेंद्र कुमार ने बताया कि इस घटना में उनकी गैस एजेंसी को बड़ी आर्थिक क्षति हुई है और कर्मचारियों में डर का माहौल बना हुआ है। लालगंज पुलिस ने धीरेंद्र कुमार की तहरीर पर उक्त नौ लोगों के खिलाफ नामजद और बीस अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

सिद्धनाथ काण्ड में हाईकोर्ट सख्त, डीजीपी को व्यक्तिगत निगरानी में कार्रवाई के निर्देश

-बस्ती के डीएम, एसपी को अनुसूचित आयोग ने भेजा नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। थाना लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में पांच वर्षीय दलित बच्ची से कथित दुष्कर्म एवं हत्या के बहुचर्चित मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। भीम युवा वाहिनी संगठन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मामले में व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, करीब 14 माह पूर्व हुई इस घटना में संगठन का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। संगठन का कहना है कि लगातार पैरवी और न्यायालय में उठाए गए प्रयासों के बाद हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए 30 जुलाई 2026 को डीजीपी को निर्देश जारी किए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध भी उचित कार्रवाई करने तथा तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। संगठन का यह भी दावा है कि मामले की निगरानी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमानदीन वर्मा की देखरेख में की जा रही है।

प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग (भारत सरकार) ने भी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, बस्ती को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर संबंधित प्रकरण में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। भीम युवा वाहिनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव ने हाईकोर्ट एवं राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग द्वारा की गई कार्रवाई का स्वागत करते हुए न्याय मिलने की उम्मीद जताई है।

संसद परिसर में तीन मुद्दों को लेकर विपक्ष ने किया प्रदर्शन, गृमंत्री से बयान देने की मांग

नई दिल्ली (आभा) संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार पर विपक्षी दलों ने अलग–अलग मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और डीएमके के सांसद एक ही स्थान पर मौजूद रहे, लेकिन तीनों के मुद्दे अलग–अलग थे। प्रदर्शन के चलते संसद परिसर में राजनीतिक हलचल तेज रही।

सदन में कांग्रेस का हंगामा जारी

कांग्रेस सांसद छात्रों पर कथित लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के मुद्दे पर विरोध जता रहे थे। पार्टी के सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की और गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर इस पूरे मामले पर बयान देने की मांग की। कांग्रेस का कहना था कि जब तक सरकार इस मुद्दे पर जवाब नहीं देती, तब तक विपक्ष अपनी आवाज उठाता रहेगा।

इसी दौरान मकर द्वार पर कांग्रेस के ठीक सामने समाजवादी पार्टी के सांसद कथित राम मंदिर चंदा हेरफेर के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सपा सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस मामले पर जवाब देने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि जनता के बीच उठ रहे सवालों का सरकार को सदन में जवाब देना चाहिए।

वहीं, दोनों विपक्षी दलों के पीछे डीएमके सांसद कावेरी नदी के जल बंटवारे और तमिलनाडु के किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। डीएमके सांसदों ने केंद्र से इस विषय में हस्तक्षेप की मांग की और राज्य के किसानों के हितों की रक्षा का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों का रास्ता रोका गया। उन्होंने कहा कि संसद किसी एक राजनीतिक दल का कार्यालय नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सर्वोच्च संस्थान है और विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

केजरीवाल ने पीएम आवास तक मार्च निकाला, पुलिस ने रोका

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई 20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया।

इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं।

मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि ई 20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी हैं, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते थे लेकिन हमें पुलिस ने रोक दिया। हमने सभी चिट्ठियां पुलिस के हाथों मोदी जी को भेज दी हैं। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को मैसेज भेजा था।

एक नजर

बिजली के खंभे के पास मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी 32 वर्षीय मोतीलाल पुत्र ब्रह्मदीन के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 6 बजे गांव के बाहर एक बिजली के खंभे के पास मोतीलाल का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही यह खबर पूरे गांव में फैल गई। कुछ ही देर में परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर दुबौलिया थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

युवक की संदिग्ध मौत को लेकर गांव में विभिन्न तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है।

विशालकाय होर्डिंग और बरसात के बीच भाजपा नेताओं ने किया क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का स्वागत

–टिकट के दावेदारों ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय का मंगलवार को बस्ती जनपद में प्रथम आगमन हुआ। जिले में प्रवेश करते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका नागरिक अभिनंदन किया। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुये चुनाव लड़ने के संभावित दावेदारों में होर्डिंग लगवाने की होड देखा गया। स्थिति ये रही कि महापुरूषों की प्रतिमाओं तक को होर्डिंग से ढक दिया गया। कम्पनीबाग के निकट मोदू चौधरी की होर्डिंग तो विकास प्राधिकरण के संकेतक तक पर लगा दी गई। जरा सी बात पर आंख दिखाने वाले विकास प्राधिकरण के जिम्मेदार इस पर चुप्पी साधे रहे। स्थिति ये रही कि रेलवे स्टेशन, रोडवेज से लेकर भाजपा कार्यालय तक जिसे जो जगह मिला होर्डिंग लटका दिया। ऐसा लग रहा था कि मानो जनता नहीं अब होर्डिंगों की लम्बाई, चौड़ाई ही नेताओं का राजनीतिक कद तय करेगी। जगह–जगह पर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय के स्वागत की तैयारी थी किन्तु एन वक्त पर हुई बरसात के कारण भाजपा नेता परेशान हो गये। महिला अस्पताल के सामने तो पटाखे फोडकर विनोद राय का अनूठा स्वागत किया। भाजपा के कप्तानगंज से प्रत्याशी रहे गणेश नरायन मिश्र ने भी जनता होटल के सामने स्वागत की तैयारी किया था। ऐसा लग रहा था जैसे विधानसभा चुनाव के टिकट का फैसला विनोद राय मंगलवार को ही कर देंगे। भाजपा नेताओं के अति उत्साह के कारण शहर में अनेक स्थानों पर नागरिकों को संकट का सामना करना पड़ा।

क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय आजमगढ़ से टांडा होते हुए बस्ती जनपद की सीमा में दाखिल हुए। कलवारी चौराहे के पास टांडा पुल पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में पूर्व सांसद व असम प्रभारी हरीश द्विवेदी, जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उनका पहला स्वागत किया।

इसके बाद टांडा पुल से लेकर शहर तक जगह–जगह स्वागत समारोह आयोजित किए गए। कलवारी चौराहा, नगर बाजार, फुटहिया, कारगिल शहीद स्मारक, मूड़घाट, बड़ेबन, कटरा चुंगी, फुहार चौराहा, कंपनी बाग, गांधीनगर चौकी, रोडवेज तिराहा, दक्षिण दरवाजा और पंकज टाकीज पर कार्यकर्ताओं ने ढोल–नगाड़ों और पुष्प वर्षा के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया। इस स्वागत से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

स्वागत जुलूस के पश्चात होटल बालाजी प्रकाश, बस्ती में 'तिरंगा यात्रा अभियान' के संबंध में एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय एवं जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंच पर उपस्थित पूर्व जिलाध्यक्ष यशकांत सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, महेश शुक्ल, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, संजय प्रताप जायसवाल, चंद्रप्रकाश शुक्ल, राजकिशोर सिंह, संजय चौधरी,अजय सिंह गौतम, गोपेश्वर त्रिपाठी, राजेश पाल चौधरी, रोली सिंह, अभिषेक कुमार, अंकुर वर्मा, अमृत कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथि को विशाल माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए विनोद राय ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय पर्व पर 10 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाली शतिरंगा यात्राश को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अभियान के तहत प्रत्येक मंडल, युवा मोर्चा के द्वारा विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में तिरंगा यात्रा और हर घर पर तिरंगा लगा कर कर जन–जागरण किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप प्रत्यूष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्र, अखण्ड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव, दिलीप पाण्डेय, राम सिंगार ओझा, प्रेम प्रकाश चौधरी, राजेंद्र राजभर, गणेश नरायन मिश्र, सुरेंद्र चौधरी, विनय यादव, प्रदीप निषाद, सुधाकर पाण्डेय श्नीरजश, विनय भरद्वाज, राकेश शर्मा, राधे श्याम कमलापुरी, सुनील सिंह, विनय शंकर मिश्रा, विजय पांडे, सत्येंद्र सिंह श्भोलूश, तारक जायसवाल, राजकुमार शुक्ल, श्याम बिहारी गौड़, ओमप्रकाश, ओंकार सिंह, शिवचरण जायसवाल, अमित चतुर्वेदी, जवाहरलाल जायसवाल, अमरनाथ शर्मा, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरवमणि त्रिपाठी, गिरिजेश यादव, जनक राम गौतम, सुधाकर विक्रम सिंह, सरवजीत भारती, कर्मेंद्र चौहान, विजय भान सिंह, दुर्गेश अग्रहरि, संजय कुमार चौरसिया, विशुद्धानंद त्रिपाठी, लवकुश शुक्ल, सुरेश भट्ट, वेद घ्प्रकाश तिवारी, जमुना पांडे, मनोज पाठक, शिवाप्रसाद चौधरी, , प्रमोद चौधरी गिल्लम, प्रमोद पाण्डेय, अनिल दुबे, रामायण सिंह, योगेंद्र सिंह, वैभव पांडे,सरोज मिश्र, सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, से सहित जिला व मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया कांवड़ यात्रा तैयारियों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा ने कांवड़ यात्रा को देखते हुये अमहट घाट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाट परिसर में स्थित धर्मशाला के जीर्णोद्धार, नए शौचालयों के निर्माण, साफ–सफाई व्यवस्था तथा पथ प्रकाश की स्थिति का गहनता से जायजा लिया। उन्होने सीसीटीवी से निगरानी और कांवडियों के लिये शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धर्मशाला के मरम्मत कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाए और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु अतिरिक्त शौचालयों का निर्माण करवाया जाए। उन्होंने घाट की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं रात्रि में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कहा कि अमहट घाट जनपद का प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होने निर्देश दिया कि कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं को असुविधा न होने पाये।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष नेहा वर्मा के साथ अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, सभासद रामसनेही यादव, सोनू पाण्डेय, विवेक श्रीवास्तव, विक्रम, दुर्गेश के साथ ही स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनगणना में ओबीसी सहित सभी जातियों की जातिगत गणना शामिल करने की उठी मांग, भारत मुक्ति मोर्चा ने सांसद प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अवतार पासवान और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 की प्रस्तावित राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी की अलग से गणना तथा सभी जातियों की जातिगत जनगणना शामिल किए जाने की मांग को लेकर सांसद राम प्रसाद चौधरी के प्रतिनिधि जवाहरलाल वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान भारत मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता समर्थन में मौजूद रहे।

ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2027 की जनगणना के हाउस लिस्टिंग एवं जनसंख्या गणना दोनों चरणों में ओबीसी की जनगणना और सभी जातियों की जातिगत गणना अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

ज्ञापन सौंपने के बाद भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन अध्यक्ष आर के आरतियन ने कहा कि कि जनगणना के आंकड़े देश की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक नीतियों के निर्माण के साथ–साथ योजनाओं एवं संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार होते हैं। यदि ओबीसी एवं अन्य जातियों के वास्तविक और आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होंगे तो सामाजिक न्याय की भावना के अनुरूप नीतियों का निर्माण अधूरा रहेगा। संगठन ने मांग की कि जनगणना प्रपत्रों, डिजिटल पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन में आवश्यक संशोधन कर प्रत्येक नागरिक को अपनी जाति का सही विवरण दर्ज करने का अवसर दिया जाए।

बीएमपी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम और मंडल उपाध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा राम सुमेर यादव ने कहा कि जनगणना पूरी होने के बाद सभी जातियों के आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं, ताकि वास्तविक आंकड़ों के आधार पर कल्याणकारी योजनाएं एवं नीतियां तैयार की जा सकें। साथ ही भारत सरकार से आवश्यक अधिसूचना एवं प्रशासनिक निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करने की भी मांग की गई कि वर्ष 2027 की जनगणना में किसी भी जाति या वर्ग की जानकारी छूटने न पाए। ज्ञापन के माध्यम से सांसद से अनुरोध किया गया कि वे संसद के वर्तमान सत्र में इस विषय को प्रमुखता से उठाकर केंद्र सरकार से आवश्यक कार्रवाई कराने का प्रयास करें।

ज्ञापन सौंपने वालों में चन्द्र प्रकाश गौतम, कृपा शंकर चौधरी, दीपक आर्य, बी.एल. राना नेबूलाल के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 अगस्त 2026 बुधवार

सम्पादकीय

बिना चर्चा पारित होते कानून

संसद देश का सर्वोच्च विधायी निकाय है, जहां जनकल्याण से जुड़े मसलों पर मंथन किया जाता है और उसके निष्कर्षों के आधार पर नीति निर्माण का खाका तैयार किया जाता है। जनता की आकांक्षाओं को आकार देने और देश को लोकतांत्रिक दिशा प्रदान करने में संसद की भूमिका सर्वोपरि है। आमजन की यह उम्मीद होती है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि उनकी समस्याओं, चिंताओं एवं जरूरतों को संसद में रखेंगे और उन पर विचार–विमर्श के बाद एक सक्षम कानून या योजना बनाई जाएगी। मगर, जब संसद में व्यापक चर्चा के बिना ही किसी विधेयक को पारित कर कानून की शक्ल दे दी जाए, तो उसकी समग्र व्यावहारिकता और सार्थकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। संसद के मानसून सत्र में अब तक ऐसी ही स्थिति देखने को मिली है। हाल ही में विद्यार्थियों के आंदोलन से निकले लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को व्यापक चर्चा और सुझावों के बिना ही पारित कर दिया गया और दो अन्य विधेयकों को भी इसी तरह से मंजूरी दे दी गई।

अहम सवाल यह है कि संविधान में संसद सत्र आयोजित किए जाने की जो व्यवस्था की गई है, क्या उसका मूल उद्देश्य पूर्ण हो पा रहा है? अगर किसी कानून या योजना को सक्षम एवं कारगर बनाने में विपक्ष की कोई भूमिका न हो, तो संसद की प्रासंगिकता क्या रह जाएगी? इसमें दोराय नहीं कि सदन को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की है। मगर जब विपक्ष कोई सवाल या समस्या उठाता है, तो उसका निराकरण करना सत्तापक्ष का दायित्व होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्तापक्ष अपनी जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ सकता। संसद के मानसून सत्र की अब तक की अवधि पर नजर डालें, तो हंगामा और कार्यवाही का स्थगन, इन्हीं दो बातों पर जोर दिया गया है।

ऐसा लगता है कि स्थगन, कार्यवाही का पर्याय बन गया है। विपक्ष नोट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर पुलिस कार्रवाई तथा राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दों को लगातार संसद में उठा रहा है और हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार–बार स्थगित हो जाती है। इस बीच महत्त्वपूर्ण विधेयक भी व्यापक चर्चा के बिना ही पारित हो जाते हैं। संसद में बने इस गतिरोध को दूर करने के बजाय आरोप–प्रत्यारोप के जरिए एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार उनकी मांग को नजरअंदाज कर लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है, तो सत्तापक्ष का दावा है कि विपक्ष जानबूझकर सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है। इसी का नतीजा रहा कि लोकसभा में उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 और राज्यसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक भी विस्तृत चर्चा के बगैर ही पारित कर दिए गए।

ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि संसद में अपेक्षित कामकाज न होने से उसके कीमती समय और धन की जो बर्बादी हो रही है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या यह दोनों पक्षों का दायित्व नहीं है कि गतिरोध को खत्म करने के लिए व्यावहारिक तौर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं, ताकि जन सरोकार से जुड़े मसलों पर सार्थक चर्चा और मूल्यवान सुझावों के आधार पर नीतियों का निर्माण किया जा सके। किसी भी समस्या का हल सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए, फिर चाहे संसद में गतिरोध हो या सड़क के रास्ते सत्ता के गलियारों में पहुंचने वाली मांग हो।

अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मंडराता खतरा

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे टकराव ने अमेरिकी नीति के एक ऐसे पहलू को उजागर किया है, जिस पर पहले बहुत कम ध्यान दिया गया। वह है मध्य पूर्व में अमेरिका के सैन्य अड्डों की स्थिति। इस इलाके में मौजूद अमेरिकी अड्डे अब ईरानी हमलों के निशाने पर हैं। खबरों के मुताबिक, इस साल 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से करीब उन्नीस अमेरिकी सैन्यकर्मी मारे गए हैं और 624 घायल हुए हैं। अरबों डालर के सैन्य साजो–सामान का नुकसान हुआ है और इसके केंद्र में यही सैन्य अड्डे हैं। अमेरिका युद्ध तो चाहता है, मगर अपना नुकसान नहीं चाहता। इस नुकसान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध नीति पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है, जो आगामी तीन नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव तक पीछा करेगा।

दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से युद्ध छेड़ने से पहले अपने नुकसान का आकलन नहीं किया था। फारस की खाड़ी के आसपास अमेरिका के कई ऐसे सैन्य अड्डे हैं, जो ईरान के बहुत करीब हैं। मध्य पूर्व में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा कतर स्थित अल–उदीद एयर बेस है, जहां मौजूदा युद्ध से पहले लगभग दस हजार अमेरिकी सैनिक तैनात थे।

यह अमेरिकी सेंट्रल कमांड का अग्रिम मुख्यालय भी है और यहीं 'कंबाइंड एअर आपरेशन' केंद्र भी स्थित है, जो पूरे मध्य पूर्व में अमेरिकी वायु सेना की सभी गतिविधियों को नियंत्रित करता है। पांचवें बेड़े और अमेरिकी नौसेना की सेंट्रल कमांड का मुख्यालय बहरीन में है। कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिका के महत्त्वपूर्ण सैन्य अड्डे हैं। ओमान और सऊदी अरब में भी अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी है। ये सभी ईरान की प्रहार पहुंच में आते हैं।

सैन्य अड्डों की यह व्यवस्था तब तर्कसंगत थी, जब अमेरिका अफगानिस्तान और इराक में ऐसे आतंकवादी संगठनों से लड़ रहा था, जिनके पास उन अड्डों पर हमला करने की क्षमता नहीं थी। वर्ष 2001 में जब अमेरिका ने अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ अभियान शुरू किया था, तब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डे बेहद उपयोगी और लगभग अभेद्य थे। वर्ष 2003 में शुरू हुए इराक संघर्ष के दौरान भी स्थिति ऐसी ही थी, कोई भी विरोधी पक्ष अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइलों से हमला करने में सक्षम नहीं था और उस समय ड्रोन का इस्तेमाल शुरू ही हुआ था। तब के ड्रोन से आज की तुलना करें, तो इनकी मारक क्षमता में कई गुना इजाफा हुआ है।

ईरान के साथ टकराव में अमेरिकी सैन्य अड्डों की मौजूदा व्यवस्था अब अभेद्य नहीं है। ईरान के जखीरे में मौजूद मिसाइलों और ड्रोन की मारक क्षमता को देखते हुए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी सैन्य अड्डे अब खतरे में हैं। उदाहरण के लिए, कुवैत स्थित कैंप आरिफजान, जो सेंट्रल कमांड की जमीनी सेनाओं के लिए अग्रिम मुख्यालय है, वह ईरान से केवल 62 मील की दूरी पर है। बहरीन में अमेरिकी नौसेना का बेस ईरान से लगभग 128 मील दूर है, जबकि अल–उदीद सैन्य ठिकाना करीब 170 मील दूर है। ये सभी ईरानी मिसाइलों की रेंज में आते हैं। इसकी तुलना में ईरान से इजराइल की दूरी लगभग 1,100 मील है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सैन्य अड्डे तब विकसित किए गए, जब सोवियत संघ के मुकाबिल अमेरिकी सहयोगियों की सुरक्षा की जरूरत थी। हो सकता है कि अफगानिस्तान और इराक युद्धों के दौरान यह नाकेबंदी सफल तरीके से काम कर रही थी, लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में इन ठिकानों पर अमेरिकी सैनिक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यही वजह है कि अमेरिकी सैन्य टुकड़ियों को अब ईरान से दूर भेजा जा रहा है।

उप चुनाव का जनादेश और भाजपा

—नीरज कुमार दुबे—

राजनीति में कोई भी दल जब किसी क्षेत्र को अपना अभेद्य किला और वहां के मतदाताओं को अपना स्थायी वोट बैंक मानकर निश्चिंत हो जाता है, तभी उसकी पराजय की पटकथा लिखनी शुरू हो जाती है। लोकतंत्र में जनता किसी की बंधक नहीं होती। वह सत्ता देती भी है और उसी सत्ता के अहंकार को ध्वस्त भी करती है। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव ने इसी लोकतांत्रिक सच को एक बार फिर स्थापित कर दिया है। तीन दशक से अधिक समय तक भाजपा के सबसे सुरक्षित गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत मात्र एक उम्मीदवार की जीत नहीं है, बल्कि इस राजनीतिक मानसिकता की हार है जो यह मान बैठी थी कि कुछ सीटें और कुछ वोट हमेशा के लिए उसके नाम लिखे जा चुके हैं। बांकीपुर का जनादेश इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी साधारण विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं था। यह वही इलाका है जहां मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, विधानसभा, सचिवालय और सत्ता के तमाम केंद्र मौजूद हैं। भाजपा का प्रदेश मुख्यालय भी यहीं है। लंबे समय से यह सीट भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व का प्रतीक रही है। ऐसे में यहां मिली हार सिर्फ सीट गंवाने की घटना नहीं, बल्कि सत्ता के आत्मविश्वास पर जनता का करारा प्रहार है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस परिणाम के बाद भाजपा के भीतर भी आत्ममंथन शुरू हो गया है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि इस चुनाव ने सबसे बड़ा संदेश यह दिया है कि कोर वोट बैंक भी अब स्थायी नहीं रहा। जिस मतदाता को वर्षों तक पार्टी का अटूट समर्थक माना जाता था, उसने इस बार अपना रुख बदलकर बता दिया कि लोकतंत्र में समर्थन किसी दल की जागीर नहीं होता। मतदाता अब काम, व्यवहार और नेतृत्व की शैली के आधार पर फैसला करेगा, न कि केवल पुराने राजनीतिक रिश्तों के आधार पर।

यह भी स्वीकार किया जा रहा है कि सत्ता का आत्मविश्वास कई बार अहंकार में बदल जाता है और यही चुनावी हार की सबसे बड़ी वजह बनता है। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह कुछ नेताओं के बयान सामने आए, उन्होंने भी यह संदेश दिया कि पार्टी अपने गढ़ को लेकर अत्यधिक आश्वस्त थी। लेकिन जनता ने मतदान के जरिए यह बता दिया कि किसी भी मतदाता को हल्के में लेने की कीमत राजनीतिक दलों को चुकानी पड़ सकती है।

इस हार के पीछे केवल विपक्ष की रणनीति नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर की बेचैनी भी चर्चा का विषय बनी। उम्मीदवार चयन से लेकर संगठनात्मक बदलाव तक कई फैसलों को लेकर असंतोष की बातें सामने आईं। राज्य की सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी के अंदर जिस तरह की खींचतान दिखाई दी, उसका असर भी चुनावी परिणामों में झलकता नजर आया। यह संदेश भी साफ है कि मजबूत संगठन होने का दावा तभी तक प्रभावी है, जब तक कार्यकर्ता और स्थानीय नेतृत्व स्वयं को सम्मानित महसूस करे।

मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव ने भी लगभग यही कहानी दोहराई। भाजपा के लिए यह हार केवल कांग्रेस की जीत नहीं थी, बल्कि उसके सबसे प्रभावशाली नेताओं में रहे राज्य के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक प्रभाव पर भी सवाल खड़े कर गई। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी, टिकट वितरण को लेकर नाराजगी और मिश्रा समर्थक संगठनात्मक ढांचे का पूरी तरह सक्रिय न हो पाना भाजपा पर भारी पड़ा। दूसरी ओर कांग्रेस ने स्थानीय असंतोष, बेरोजगारी, पलायन, खाद की कमी और कथित प्रशासनिक दबंगई जैसे मुद्दों को चुनाव का केंद्र बनाया। पार्टी ने चुनाव को सरकार के पक्ष या विपक्ष की लड़ाई बनाने के बजाय स्थानीय जनभावनाओं से जोड़ा और उसी का लाभ उठाया। साफ है कि मतदाताओं ने यहां भी यह संकेत दिया कि किसी एक नेता की राजनीतिक पकड़ या पुराने प्रभाव के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते।

वहीं बांकीपुर का संदेश केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। यह उतनी ही बड़ी चेतावनी राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल (यू) और देश के अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी है। वर्षों से बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों और परंपरागत वोट बैंकों के इर्द–गिर्द घूमती रही है। लेकिन इस उपचुनाव ने संकेत दिया है कि मतदाता अब नए विकल्पों को भी मौका देने के लिए तैयार है। यदि कोई दल यह मानकर चल रहा है कि कोई विशेष जाति, वर्ग या क्षेत्र हमेशा उसके साथ रहेगा, तो बांकीपुर का परिणाम उस भ्रम को तोड़ने के लिए पर्याप्त है।

बांकीपुर में प्रशांत किशोर की जीत का महत्व भी केवल एक सीट जीतने तक सीमित नहीं है। इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि बिहार की राजनीति में वर्षों से हावी जातीय ध्रुवीकरण के बीच अब विकास, शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों के लिए भी राजनीतिक जगह बन रही है। भाजपा के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले शहरी गढ़ में जीत हासिल कर प्रशांत किशोर ने यह साबित किया कि यदि कोई राजनीतिक दल पारंपरिक वोट बैंक की राजनीति से आगे बढ़कर जनता के वास्तविक सरोकारों को लगातार उठाता है, तो वह स्थापित दलों के लिए चुनौती बन सकता है। यह जीत भाजपा के लिए सत्ता के अहंकार के खिलाफ चेतावनी है तो राजद के लिए भी संदेश है कि भाजपा विरोधी राजनीति पर उसका एकाधिकार अब निर्विवाद नहीं रहा। यानी यह परिणाम बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक विकल्प के उभरने का संकेत भी देता है।

यही कारण है कि प्रशांत किशोर की जीत को केवल एक चुनावी सफलता के रूप में नहीं देखा जा रहा। इसे बिहार की राजनीति में एक नए राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में भी देखा जा रहा है। पिछली बार उन्हें चुनावी सफलता भले नहीं मिली थी, लेकिन उन्होंने शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों को राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने का प्रयास किया था। अब बांकीपुर की जीत ने उन मुद्दों को राजनीतिक वैधता भी प्रदान कर दी है। इस जीत का सबसे बड़ा प्रतीकात्मक महत्व यही है कि यह भाजपा के सबसे मजबूत माने जाने वाले शहरी गढ़ में हासिल हुई। इससे यह संकेत भी मिला कि यदि कोई तीसरी राजनीतिक ताकत जनता के बीच विश्वसनीय विकल्प बनती है, तो बिहार की परंपरागत द्विध्रुवीय राजनीति का समीकरण बदल सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार इस समय नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर पुराने राजनीतिक चेहरे अपने प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश में हैं, वहीं दूसरी ओर नई राजनीति की मांग भी लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में बांकीपुर का परिणाम आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के लिए एक मनोवैज्ञानिक संकेत बन गया है।

बहरहाल, भारतीय राजनीति लंबे समय तक फ्लोर वोट बैंक्स की अवधारणा पर टिकी रही है। हर दल अपने कुछ सामाजिक समूहों और क्षेत्रों को अपनी स्थायी राजनीतिक पूंजी मानता रहा। लेकिन बदलते समय का मतदाता अब खुद को किसी दल की स्थायी संपत्ति मानने को तैयार नहीं है। वह सत्ता बदलने से भी नहीं हिचकता और नए चेहरे को मौका देने से भी नहीं डरता। बांकीपुर का जनादेश इसी बदलती राजनीतिक चेतना का सबसे सशक्त उदाहरण है। यह परिणाम बताता है कि लोकतंत्र में जनता अंतिम निर्णायक है। वह किसी भी दल को जितना ऊपर उठा सकती है, उतनी ही तेजी से उसे जमीन पर भी ला सकती है। एक सच्चाई सभी को समझनी होगी कि लोकतंत्र में कोई किला हमेशा के लिए अभेद्य नहीं होता और कोई वोट बैंक हमेशा के लिए किसी का नहीं होता।

लोकतंत्र की असली परीक्षा मतदान और विश्वास

—अखिल कुमार यादव—

मतदान समाप्त हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और वीवीपैट मशीनें पूरी प्रक्रिया के बाद स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दी गई हैं। निर्वाचन आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए मशीनों को सुरक्षा घेरे में रख चुका है। परिसर के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात हैं, सीसीटीवी कैमरे लगातार निगरानी कर रहे हैं और प्रशासनिक अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों में लगे हैं। पहली नजर में सब कुछ व्यवस्थित और सुरक्षित दिखाई देता है। लेकिन इसी सुरक्षा व्यवस्था के समानांतर एक दूसरा दृश्य भी मौजूद होता है। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर राजनीतिक दलों के प्रत्याशी, उनके एजेंट और समर्थक रात–दिन डेरा डाले रहते हैं। कोई कुर्सी पर बैठा है, कोई चाय के सहारे जाग रहा है, कोई मोबाइल या कैमरे से हर गतिविधि पर नजर रख हुए है। मतगणना तक 48 घंटे, 72 घंटे या कभी–कभी इससे भी अधिक समय तक यह पहरा जारी रहता है। यह दृश्य केवल किसी एक राज्य या किसी एक दल तक सीमित नहीं है। विभिन्न चुनावों और उपचुनावों में समय–समय पर ऐसी तस्वीरें सामने आती रही हैं। यह दृश्य एक गंभीर प्रश्न छोड़ जाता है। यदि चुनाव सम्पन्न कराने वाली संवैधानिक संस्था के संरक्षण में रखी गई ईवीएम की निगरानी के लिए भी राजनीतिक दल स्वयं चौकीदार बनकर बैठने को मजबूर महसूस करते हैं, तो क्या यह केवल सुरक्षा का प्रश्न है, या फिर लोकतंत्र में विश्वास के स्तर पर भी विचार करने की आवश्यकता है? लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति हथियार, भवन, कानून या तकनीक नहीं होती, बल्कि जनता और राजनीतिक दलों का उन संस्थाओं पर विश्वास होता है जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का संचालन करती हैं। जब यह विश्वास मजबूत होता है, तब परिणाम चाहे किसी के पक्ष में आएं या विपक्ष में, लोकतांत्रिक व्यवस्था बिना किसी बड़े विवाद के आगे बढ़ती रहती है। लेकिन जब विश्वास कमजोर पड़ने लगता है, तब सबसे मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी लोगों की आशंकाओं को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाती। लोकतंत्र में संदेह का स्थान पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। प्रत्येक राजनीतिक दल को चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखने, अपने अधिकारों की रक्षा करने और किसी भी संभावित अनियमितता पर प्रश्न उठाने का अधिकार है। यही लोकतांत्रिक सतर्कता है। लेकिन जब यह सतर्कता स्थायी अविश्वास का रूप लेने लगे और हर चुनाव के बाद राजनीतिक दलों को स्वयं सुरक्षा प्रहरी बनना आवश्यक लगने लगे, तब यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए चिंतन का विषय बन जाती है। लोकतंत्र केवल निष्पक्ष होना ही पर्याप्त नहीं है्य उसे इतना पारदर्शी भी होना चाहिए कि सभी पक्ष बिना भय और आशंका के उसकी प्रक्रिया पर भरोसा कर सकें। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग और प्रशासन द्वारा चुनावों की सुरक्षा के लिए अनेक स्तरों पर व्यवस्थाएं की जाती हैं। स्ट्रॉन्ग रूम को प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सील किया जाता है। सुरक्षा की कई परतें होती हैं। सीसीटीवी निगरानी रहती है। मतगणना से पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि चुनाव की निष्पक्षता पर कोई प्रश्नचिह्न न लगे। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि किसी राजनीतिक दल द्वारा निगरानी करना अपने आप में किसी अनियमितता का प्रमाण है। लेकिन यदि इन तमाम व्यवस्थाओं के बावजूद राजनीतिक दल स्वयं को आश्वस्त महसूस नहीं करते, तो यह संकेत अवश्य है कि संस्थागत विश्वास को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

विश्वास का संकट केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। अनेक बार स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर समर्थकों की भीड़ जमा हो जाती है। विभिन्न दलों के कार्यकर्ता आमने–सामने आ जाते हैं। आरोप–प्रत्यारोप शुरू होते हैं। कभी–कभी मामूली विवाद भी तनाव का रूप ले लेते हैं। धक्का–मुक्की, नोकझोंक और कुछ मामलों में मारपीट जैसी घटनाएं भी देखने को मिलती हैं। प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ती है। चुनाव परिणाम आने से पहले ही वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है। लोकतंत्र, जिसका उद्देश्य समाज में सहमति, सहभागिता और शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित करना है, वह अनावश्यक अविश्वास के कारण तनाव का माध्यम बनने लगता है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें हार और जीत दोनों को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया जाता है। चुनाव किसी भी पक्ष के पक्ष में जा सकता है, लेकिन यदि हारने वाला यह महसूस करे कि प्रक्रिया निष्पक्ष थी, तो लोकतंत्र और मजबूत होता है। वहीं यदि जीतने वाले को भी लगातार अपनी वैधता सिद्ध करनी पड़े और हारने वाला लगातार प्रक्रिया पर संदेह करता रहे, तो अंततः नुकसान लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का होता है। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सरकार चुनना नहीं है, उसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाए रखना भी है जिसमें जनता और राजनीतिक दल संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखें।

विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। वहां विवाद होते हैं, न्यायालयों में याचिकाएं भी जाती हैं, लेकिन अधिकांश मतदाता और राजनीतिक दल चुनाव सम्पन्न कराने वाली संस्थाओं पर मूलभूत विश्वास बनाए रखते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां करोड़ों मतदाता मतदान करते हैं और विशाल स्तर पर चुनाव सम्पन्न कराना स्वयं में एक असाधारण प्रशासनिक उपलब्धि है। इसलिए भारत के लोकतंत्र की प्रतिष्ठा केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया पर समाज के विश्वास से भी जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता, संवाद और जनविश्वास को लगातार बढ़ाया जाए। निर्वाचन आयोग, राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और मीडियाकुसमी की साझा जिम्मेदारी है कि चुनावों को लेकर फैली आशंकाओं का समाधान तथ्यों और पारदर्शिता के आधार पर किया जाए। यदि कहीं कोई वास्तविक शिकायत हो तो उसका निष्पक्ष परीक्षण हो, और यदि कोई भ्रम या अफवाह हो तो उसका समय रहते तथ्यात्मक निराकरण किया जाए। लोकतंत्र में विश्वास आदेश से पैदा नहीं होता, बल्कि निष्पक्ष आचरण, पारदर्शी व्यवस्था और लगातार अर्जित की गई विश्वसनीयता से बनता है।

अंततः लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति मतपेटी या ईवीएम में बंद मतों से नहीं, बल्कि उन मतों पर जनता के अटूट विश्वास से आती है। जिस दिन चुनाव परिणाम आने तक किसी राजनीतिक दल को चौबीसों घंटे स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पहरा देने की आवश्यकता महसूस नहीं होगी, जिस दिन हारने वाला भी पूरी सहजता से परिणाम स्वीकार करेगा और जीतने वाले को अपनी वैधता सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, उस दिन लोकतंत्र अपनी सबसे सशक्त अवस्था में होगा।

आत्मशुद्धि का महापर्व है कांवड

—डॉ. घनश्याम बादल—

भारतीय परंपराओं में कुछ यात्राएँ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होतीं बल्कि वे समाज, संस्कृति, अनुशासन और लोकजीवन की जीवंत पाठशाला भी बन जाती हैं। श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक अनूठी परंपरा है, जो हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के सूत्र में बाँध देती है। कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करने की यात्रा नहीं है, बल्कि यह मन, वचन और कर्म की पवित्रता का सामूहिक संकल्प है।

कांवड़ यात्रा का इतिहास भारतीय पुराणों और लोकमान्यताओं में गहराई से जुड़ा हुआ है। एक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की। विष की ज्वाला को शांत करने के लिए देवताओं ने विभिन्न पवित्र नदियों का जल लाकर उनका अभिषेक किया। तभी से शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा का आरंभ माना जाता है।

एक अन्य पौराणिक कथा रावण से जुड़ी है। कहा जाता है कि उसने गंगाजल कांवड़ में भरकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। परशुराम और भगवान श्रीराम से संबंधित लोककथाएँ भी इस परंपरा को और अधिक प्राचीन बनाती हैं। यद्यपि इन कथाओं का ऐतिहासिक सत्यापन कठिन है, किंतु भारतीय समाज की सांस्कृतिक स्मृति में इनका विशेष स्थान है। आरंभ में कांवड़ यात्रा अत्यंत सरल और तपस्वी स्वरूप की होती थी। श्रद्धालु नंगे पाँव लंबी दूरी तय करते, मार्ग में भजन–कीर्तन करते, संयमित जीवन जीते और किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं करते थे। उनके लिए यह यात्रा शरीर की नहीं, आत्मा की परीक्षा होती थी। कांवड़ केवल बाँस की एक साधारण डंडी और दोनों ओर लटके जलपात्रों का नाम नहीं थी, बल्कि जीवन के संतुलन का प्रतीक थी। जिस प्रकार कांवड़ दोनों ओर समान भार से संतुलित रहती है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में भी धर्म और कर्म, भक्ति और सेवा, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन आवश्यक माना गया।

भगवान शिव को अत्यंत सरल और सहज देवता हैं। वे आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भाव से प्रसन्न होते हैं। इसलिए शिव पूजा में जल, बेलपत्र, धतूरा, आक और भस्म जैसी सहज उपलब्ध वस्तुओं का महत्व है। कांवड़ यात्रा का मूल संदेश भी यही है कि कठिन तप, संयम और सेवा के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के विकारों का परित्याग करे। स्कंद पुराण, शिव पुराण और विभिन्न आगम ग्रंथों में श्रावण मास के दौरान शिवोपासना के महत्व का उल्लेख मिलता है, जिसमें श्रद्धा, सात्विकता और आत्मसंयम को सर्वोपरि माना गया है।

समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप भी बदला है। पहले जहाँ इसमें सीमित संख्या में साधक सम्मिलित होते थे, वहीं आज यह विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में गिनी जाती है। उत्तराखंड के हरिद्वार, गंगोत्री और गौमुख से लेकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखंड और देश के अनेक भागों तक लाखों–करोड़ों श्रद्धालु कांवड़ लेकर पहुँचते हैं। आधुनिक परिवहन, बेहतर सड़कें, चिकित्सा सुविधाएँ, स्वयंसेवी संगठनों की सक्रियता तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने यात्रा को अधिक सुगम बनाया है।

इस यात्रा के अनेक सकारात्मक पक्ष हैं। यह समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती है। रास्ते भर लगने वाले निःशुल्क शिविर, भोजन, चिकित्सा, जल और विश्राम की व्यवस्थाएँ भारतीय समाज की अतिथि–सेवा और परोपकार की परंपरा का सुंदर उदाहरण हैं। अनेक युवा नशामुक्ति, स्वच्छता, रक्तदान और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक संदेश भी कांवड़ यात्रा के माध्यम से प्रसारित करते हैं।

बरी होने के बाद सद्गुरु के दरबार पहुंचे बृजभूषण सिंह, रितेश्वर महाराज से मिलकर लिया आशीर्वाद

संवाददाता–गोण्डा। महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व बीजेपी सांसद को बरी कर दिया है। फैसले के बाद मंगलवार को बृजभूषण शरण सिंह मथुरा स्थित श्री आनंदम धाम पहुंचे। दोपहर करीब 2 बजे समर्थकों ने उनका 25 फीट लंबी माला से स्वागत किया। इसके बाद शाम करीब 4 बजे उन्होंने सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। बृजभूषण शरण सिंह मंगलवार दोपहर अपने दिल्ली स्थित आवास से श्री आनंदम धाम के लिए रवाना हुए। मथुरा पहुंचने पर समर्थकों ने क्रेन के जरिए उन्हें लगभग 25 फीट लंबी माला पहनाकर स्वागत किया। शाम करीब 4 बजे श्री आनंदम धाम पहुंचने के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज से मुलाकात की। करीब एक घंटे की मुलाकात के दौरान दोनों ने पूजा–अर्चना की। इस दौरान सद्गुरु के शिष्यों ने उनका स्वागत किया और महाराज ने उन्हें रुद्राक्ष की माला भेंट की। बृजभूषण शरण सिंह ने बताया कि न्यायालय का फैसला आने से पहले भी वह नागपुर में दो दिन तक सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज के साथ रहे थे। फैसला आने के बाद उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से भी महाराज से बातचीत की थी। मुलाकात के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि वह सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज को अपने पिता के समान मानते हैं और फैसला आने के बाद सबसे पहले उनका आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण, राधारानी और हनुमान जी की कृपा का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सद्गुरु से जुड़ने के बाद उन्हें आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हुआ है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का क्षत–विक्षत शव

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र के टेकुआटार डीह टोला निवासी युवक का शव मंगलवार को सुबह खोठही क्षेत्र के मिश्रौली ढाला के समीप रेलवे ट्रैक पर क्षत–विक्षत अवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त के उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।क्षेत्र के टेकुआटार डीह टोला निवासी 30 वर्षीय संतोष मद्धेशिया पुत्र स्वर्गीय मोहन मद्धेशिया का शव मंगलवार की सुबह खोठही क्षेत्र के मिश्रौली ढाला के समीप रेलवे लाइन पर क्षत–विक्षत अवस्था में मिला। सिर, हाथ, पैर समेत शरीर के कई हिस्से अलग–अलग पड़े थे। पुलिस ने सभी अंगों को एकत्र कर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की।बताया जाता है कि संतोष अपने परिवार के भरण–पोषण के लिए मिश्रौली क्षेत्र में रहकर ठेला चलाता था। वह जलेबी और समोसा बेचने के साथ–साथ गांव–गांव घूमकर लोगों के घरों से कबाड़ खरीदने का भी काम करता था। इसी मेहनत–मजदूरी से वह अपने परिवार का खर्च चलाता था। संतोष की असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है घटना की सूचना मिलते ही पत्नी रंजू देवी बदहवास हो गई। संतोष अपने पीछे 12 वर्षीय पुत्र शिवम, 9 वर्षीय पुत्र डीएम और 8 वर्षीय पुत्री अंशिका को छोड़ गया है।

दिव्यांग रेलवे कर्मचारी को अधमरा कर पत्नी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज में सोमवार रात करीब 10:45 बजे एक दंपती के साथ हुई वारदात से सनसनी फैल गई। आरोप है कि एक युवक ने पहले दिव्यांग रेलवे कर्मचारी पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर उसे अधमरा कर दिया। इसके बाद उसकी पत्नी को घर से घसीटते हुए रेलवे कॉलोनी के एक परित्यक्त भवन में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। सूचना मिलते ही पुलिस ने रातभर अभियान चलाकर मंगलवार तड़के करीब चार बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायल कर्मचारी का गोरखपुर मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, बृजमनगंज रेलवे कॉलोनी में दिव्यांग रेलवे कर्मचारी अपनी पत्नी के साथ रात में सो रहा था। इसी दौरान आरोपी नीरज पाण्डेय वहां पहुंचा और उसपर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में चौकीदार गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी चौकीदार की पत्नी को जबरन पास की परित्यक्त रेलवे कॉलोनी में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घायल कर्मचारी ने किसी तरह पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बृजमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। इसके साथ ही पुलिस ने महिला की तलाश शुरू की। कुछ देर बाद महिला परित्यक्त रेलवे भवन से बरामद हुई, जिसके बाद उसे भी उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद रातभर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने मंगलवार तड़के करीब चार बजे महुलानी गांव के मोड़ से आरोपी नीरज पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महुलानी ग्राम सभा के सिकंदरपुर टोला का रहने वाला है। घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित कर्मचारी मूल रूप से बस्ती जिले का रहने वाला है। उसके दो बच्चे हैं, लेकिन दोनों उसके साथ नहीं रहते हैं। वह रेलवे कॉलोनी में अपनी पत्नी के साथ रहकर नौकरी का काम करता है।

2 घंटे तक मूसलाधार बारिशः किसानों की गन्ने और धान की फसलों को हुआ फायदा

संवाददाता–गोण्डा। जिले में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे से शाम 4:20 बजे तक हल्की हवाओं के साथ लगातार दो घंटे 20 मिनट तक मूसलाधार बारिश हुई। बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वहीं धान और गन्ने की फसलों की सिंचाई कर रहे किसानों को भी इस बारिश से काफी फायदा हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, इस अवधि में जिले में 10 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए चेतावनी जारी करते हुए 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना जताई है। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने 5, 6 और 7 अगस्त को भी मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके मद्देनजर लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बीते तीन दिनों से जिले में बारिश नहीं होने के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। मंगलवार दोपहर से मौसम का मिजाज बदल गया और जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 4 अगस्त 2026 तक गोंडा जिले में सामान्य रूप से 468.9 मिलीमीटर वर्षा होनी चाहिए थी, जबकि अब तक केवल 371.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से करीब 21 प्रतिशत कम है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष जुलाई में बेहतर बारिश हुई है और अगस्त में भी अच्छी वर्षा की संभावना जताई गई है। जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल बारिश से किसी प्रकार की बड़ी समस्या की सूचना नहीं है। यदि कहीं जलभराव या अन्य परेशानी होती है तो लोग तत्काल जिला आपदा कंट्रोल रूम में शिकायत कर सकते हैं, जहां से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंगलवार की बारिश से किसानों के साथ–साथ आम लोगों ने भी राहत की सांस ली। लंबे समय बाद हुई मूसलाधार बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

डीएम ने सेतु निर्माण की गुणवत्ता पर सख्ती दिखाई, कहा– गुणवत्ता से समझौता नहीं, कार्य समय पर पूरे हों

संवाददाता–बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने मंगलवार दोपहर 3 बजे लघु सेतु निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे विभिन्न सेतुओं की प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की जांच की। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने हरिहरगंज–ललिया, बनकटवा मार्ग पर झिन्ने नाला में निर्माणाधीन 3 18.75 मीटर आरसीसी लघु सेतु का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बेला मार्ग के पठानपुरवा से रजगढ़वा मार्ग स्थित घोड़हवा नाला के किलोमीटर–1 पर बन रहे 7 4 4 मीटर बॉक्स कल्वर्ट और कोडरी मथुरा चौधरीडीह मार्ग पर निर्माणाधीन लघु सेतु का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, डीएम ने निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कार्यदायी संस्था और विभागीय अधिकारियों से निर्धारित समयसीमा पर विस्तृत चर्चा की। डीएम ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि सभी परियोजनाएं तय समय के भीतर पूरी हो सकें और आमजन को आवागमन की सुविधा जल्द मिल सके।

जिलाधिकारी ने मौके पर उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने सीमेंट, सरिया और कंक्रीट सहित अन्य सामग्रियों को स्वीकृत डिजाइन और निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि सेतु निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में छोटी सी लापरवाही भी भविष्य में बड़ी समस्या बन सकती है, इसलिए तकनीकी मानकों का शत–प्रतिशत पालन अनिवार्य है।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया और कहा कि किसी भी तकनीकी कमी या लापरवाही की स्थिति में तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने बताया कि मजबूत और टिकाऊ सेतु न केवल क्षेत्रीय विकास को गति देते हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन का आधार भी बनते हैं। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) शैलेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस को मिला पहला इंटरसेप्टर वाहन

संवाददाता–देवरिया। जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पुलिस को मंगलवार को दिन में 12 बजे पहला अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन उपलब्ध कराया गया है। इस हाईटेक वाहन के माध्यम से अब ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर अधिक प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के प्रयासों से प्राप्त इस इंटरसेप्टर वाहन में आधुनिक स्पीड राडार गन, हाई–रिजॉल्यूशन कैमरे, ब्रेथ एनालाइजर, लाउडस्पीकर और एलईडी डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। स्पीड राडार और कैमरों की मदद से तेज रफ्तार वाहनों की सटीक पहचान कर कार्रवाई की जाएगी, जबकि ब्रेथ एनालाइजर से शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की जांच होगी।

यह वाहन सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने में भी सहायक होगा। इसमें लगे लाउडस्पीकर और एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस इंटरसेप्टर वाहन के संचालन से यातायात व्यवस्था तकनीकी रूप से और अधिक मजबूत होगी, जिससे नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। साथ ही, शराब पीकर वाहन न चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने का आग्रह किया।

पुलिस का मानना है कि यातायात नियमों का सख्ती से पालन करके ही सड़क हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

भारतीय सर्वजन पार्टी का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, महंगाई आरक्षण समेत 20 सूत्रीय डीएम को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–देवरिया। भारतीय सर्वजन पार्टी ने मंगलवार दोपहर करीब दो बजे जनसमस्याओं को लेकर टाउन हॉल से कलेक्ट्रेट तक प्रदर्शन किया। पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित 20 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। उन्होंने विभिन्न मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में निषाद, मल्लाह, केवट, बिंद, कश्यप, मांझी और रायकवार सहित 17 जातियों को अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की गई। इसके अलावा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण, पेट्रोलियम पदार्थों में एथनॉल की मिलावट अधिकतम 10 प्रतिशत तक सीमित रखने तथा पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने की भी मांग उठाई गई। पार्टी ने लोकसभा, विधानसभा और विधान परिषद में सभी वर्गों को आरक्षण के अनुरूप प्रतिनिधित्व देने की वकालत की। इसके साथ ही चुनाव नामांकन शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती, बेरोजगार राजनीतिक कार्यकर्ताओं को तीन हजार रुपये मासिक भत्ता, घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली तथा फिक्स चार्ज समाप्त करने की मांग भी की।

ज्ञापन में पूर्वांचल राज्य के गठन और उसकी राजधानी देवरिया–गोरखपुर के मध्य स्थापित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा गौरीबाजार में आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज तथा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना, बैतालपुर और गौरीबाजार की बंद पड़ी चीनी मिलों एवं शीतगृह को दोबारा संचालित कराने तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नवोदय विद्यालय खोलने की मांग की गई। पार्टी ने न्यायपालिका में आरक्षण के अनुरूप नियुक्तियां, गोरखपुर मंडल में उद्योग स्थापित कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, रसोई गैस पर 50 प्रतिशत सब्सिडी, इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ गोरखपुर–देवरिया क्षेत्र में स्थापित करने, सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में सीसीटीवी और बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने, जन्म प्रमाणपत्र 15 दिनों के भीतर जारी करने तथा सरकारी कार्यालयों में वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की। प्रदर्शन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक निषाद, अविनाश निषाद, प्रियंका निषाद, राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट, श्रवण कुमार निषाद, रविंद्र, हरीशंकर, रामप्रसाद निषाद, चंद्रप्रसाद निषाद, अभिषेक निषाद सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'उम्मीद एक्सप्रेस' वैन रवाना, मातृ–शिशु मृत्यु दर घटाने, परिवार नियोजन हेतु जागरूकता अभियान

संवाददाता–बलरामपुर। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने और परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने 'उम्मीद एक्सप्रेस' जनजागरूकता वैन की शुरुआत की है। मंगलवार दोपहर 1 बजे जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट परिसर से इस वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह विशेष अभियान अगले तीन महीने तक जिले के चयनित गांवों में लोगों को सुरक्षित मातृत्व, परिवार नियोजन और स्वस्थ परिवार के प्रति जागरूक करेगा। वैन रवाना करने से पूर्व जिलाधिकारी ने आशा कार्यकर्ताओं से गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जागरूकता ही बेहतर स्वास्थ्य की सबसे बड़ी कुंजी है। इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों तक सही जानकारी पहुंचाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की उम्मीद परियोजना के अंतर्गत इतनी भी क्या जल्दी है और जब मर्द बदलेगा नामक अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से लोगों को सही उम्र में विवाह, शादी के कम से कम दो वर्ष बाद पहला बच्चा, दो बच्चों के बीच न्यूनतम तीन वर्ष का अंतर रखने तथा आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियों के सही उपयोग के बारे में जागरूक किया जाएगा। उम्मीद एक्सप्रेस जिले के तुलसीपुर, पचपेड़वा और बलरामपुर ब्लॉक के उच्च प्रजनन दर वाले 50–50 चयनित गांवों तक पहुंचेगी। इस वैन के साथ एएनएम, आशा और संगिनी कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगी। ये कार्यकर्ता ग्रामीणों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श देंगी, जागरूकता सामग्री वितरित करेंगी और इच्छुक दंपतियों को निःशुल्क परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे बाजार से महंगे साधन खरीदने के बजाय सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध निःशुल्क परिवार नियोजन सेवाओं और साधनों का लाभ उठाएं। विभाग का लक्ष्य इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ताओं सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार, कैरेक्टर पर शक के कारण गला घोंटा

संवाददाता–बहराइच। 1 अगस्त को महिला की मौत के मामले में पुलिस ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे उसके पति अजीज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से पूछताछ के दौरान आरोपी ने पत्नी के कैरेक्टर पर शक के कारण दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या की बात स्वीकार की। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। मामला के नवाबगंज थाना क्षेत्र का है।

पिता ने 3 अगस्त को नवाबगंज थाने में तहरीर देकर दामाद अजीज पर हत्या का संदेह जताया था। इसके आधार पर पुलिस ने धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान अजीज बार–बार अपने बयान बदल रहा था। इससे उस पर संदेह गहराया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ में अजीज ने पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार की। आरोपी के अनुसार, उसे पत्नी के चरित्र पर संदेह था। उसने बताया कि इसी शक के चलते उसने दुपट्टे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी।

नवाबगंज थाना प्रभारी जितेंद्र यादव ने बताया कि आरोपी अजीज को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

ब्लॉक में नया आधार सेवा केंद्र शुरू

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज ब्लॉक परिसर में एक नया आधार सेवा केंद्र शुरू किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिली है। हालांकि, जन्मतिथि संशोधन के अधिकांश आवेदन निरस्त हो रहे हैं, जिससे आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह केंद्र 6 माह से 18 वर्ष तक के बच्चों और किशोरों के लिए नए आधार कार्ड बना रहा है। इसके अतिरिक्त, नाम, पता, मोबाइल नंबर और अन्य आवश्यक संशोधन भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत किए जा रहे हैं। प्रतिदिन लगभग 35 आवेदकों का आधार पंजीकरण एवं संशोधन का कार्य सफलतापूर्वक हो रहा है, जिससे लोगों को दूर–दराज के केंद्रों पर जाने से मुक्ति मिली है। जन्मतिथि में सुधार कराने वाले आवेदकों को विशेष रूप से कठिनाई हो रही है। वर्तमान में, जन्मतिथि संशोधन के लगभग 80 प्रतिशत आवेदन अस्वीकृत किए जा रहे हैं। यह समस्या यूआईडीएआई के निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार दस्तावेजों में विसंगति या आवश्यक प्रमाण उपलब्ध न होने के कारण उत्पन्न हो रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज सदर (जू0डि0) महोदय अयोध्या, जिला–अयोध्या

मूलवाद सं. 622 / 2025

राकेश कुमार मिश्र

बनाम

राजनरायन पाठक

बनाम–राजनरायन पाठक पुत्र स्व0 पृथ्वीपाल पाठक ग्राम बकचुना पूरे पाठक परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला–अयोध्या

तारीख पेशी 10–09–2026

चूंकि उपरिनामांकित उपरोक्त ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 09 के 10 दिवस को 11.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान ए0एस0डी0ओ0 महोदय अयोध्या, जिला–अयोध्या

वाद सं. 16238 / 2025

कम्प्यूटर वाद सं0–T202504230116238 / 2025

राम अभिलाख आदि

बनाम

राजकरन आदि

बनाम–1. राजकरन यादव पुत्र राम अनन्द निवासी ग्राम कल्यानपुर बरौली परगना अमसिन तहसील सदर जिला–अयोध्या 2. ग्राम सभा कल्यानपुर बरौली द्वारा ग्राम प्रधान कल्यानपुर बरौली परगना अमसिन तहसील सदर जिला–अयोध्या 3. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या

तारीख पेशी 13–08–2026

चूंकि उपरिनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 08 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

10 माह की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद के भिनगा कोतवाली क्षेत्र में 10 माह की दुधमुंही बच्ची से दुष्कर्म का कथित मामला सामने आया है। मंगलवार को 11:00 से 12:00 बजे के बीच पुलिस विभाग ने बताया कि परिजनों के आरोप पर पुलिस ने करीब 17 वर्षीय किशोर को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बच्ची को गंभीर हालत में हायर सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। दरअसल यह घटना सोमवार शाम की बताई जा रही है। बच्ची की मां अपनी दोनों बेटियों को छत पर सुलाकर नीचे कुछ काम करने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान परिवार का एक कथित तौर पर 17 वर्षीय रिश्ते का चाचा छत पर पहुंचा और मासूम के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची की चीख सुनकर मां छत पर पहुंची, लेकिन तभी आरोपी वहां से फरार हो चुका था। गंभीर हालत में बच्ची को तत्काल संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा ले जाया गया, जहां से मंगलवार को उसे मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। बच्ची के पिता की तहरीर पर भिनगा कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने बताया कि उन्हें 3 अगस्त की रात करीब 10 बजे इस घटना की सूचना मिली थी। उनके द्वारा पुलिस टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया गया और बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष समेत 3 पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर लेखपालों की छवि धूमिल करने, उन्हें दलाल कहने और आपराधिक धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लेखपाल संघ तरबगंज तहसील के अध्यक्ष रामेश्वर दत्त तिवारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच तरबगंज थाने के निरीक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह को सौंपी गई है। शिकायत के अनुसार, 30 जुलाई को झानेंद्र सिंह और दो अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें लेखपालों और लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ द्विवेदी के खिलाफ कथित रूप से अभद्र, अपमानजनक और भ्रामक टिप्पणियां की गईं। आरोप है कि वीडियो में लेखपालों को "दलाल" कहा गया, जिससे उनकी छवि धूमिल हुई और सरकारी कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

रामेश्वर दत्त तिवारी का कहना है कि लेखपाल पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के आरोपों के माध्यम से उन्हें बदनाम करने और भयभीत करने का प्रयास किया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे तरबगंज तहसील में लेखपालों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लेखपाल संघ ने झानेंद्र सिंह की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि कथित बयानबाजी से जनता में गलत संदेश गया है और सरकारी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। शिकायतकर्ता रामेश्वर दत्त तिवारी ने पुलिस को एक पेन ड्राइव भी सौंपी है, जिसमें संबंधित वीडियो होने का दावा किया गया है। पुलिस उस वीडियो की भी जांच कर रही है।

तरबगंज थाना प्रभारी श्रीधर पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध कराए गए वीडियो सहित सभी साक्ष्यों की जांच की जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम ने गुणवत्ता समयबद्धता और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने पर दिया जोर

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। मंगलवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गौरव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में नगर निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले की सभी नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में संचालित विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराना था। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने नगर निकायों में चल रहे निर्माण कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की और अधिशासी अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने श्आकांक्षी नगर योजनाश के तहत विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, पार्क, डिजिटल लाइब्रेरी और ओपन जिम जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा। साथ ही सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में वंदन योजना के अंतर्गत स्वीकृत अवस्थापना विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया लंबित है, उन्हें तत्काल पूरा कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी को अस्वीकार्य बताया।

नगरीय झील, तालाब एवं पोखरा संरक्षण योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने तालाबों और पोखरों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

मानसून को देखते हुए एडीएम ने सीवरेज और जल निकासी व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रों में नालों के निर्माण एवं जल निकासी से जुड़े कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो।

समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की प्रगति, निर्माण गुणवत्ता, टेंडर प्रक्रिया तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को प्रत्येक परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एलबीसी पुरुषोत्तम लाल श्रीवास्तव सहित जिले की सभी नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए नगर निकायों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और विकास कार्यों में तेजी लाने की रणनीति पर भी विचार—विमर्श किया।

राम मंदिर निर्माण का खर्च 800 से 2200 करोड़ कैसे हो गया, चंपत राय के खिलाफ एसआईटी को लेटर

संवाददाता—अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने अब राममंदिर की निर्माण लागत 800 करोड़ से 2200 करोड़ रुपये पहुंचने का मामला एसआईटी के सामने उठाया है। पहले लगाए गए आरोपों पर एसआईटी ने महिपाल से लिखित में साक्ष्य मांगा था।

साक्ष्य भेजने के साथ ही महिपाल ने पूर्व महासचिव चंपत राय पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। 20 बिंदुओं पर यहां हुए कई घोटालों का जिक्र करते हुए पूरी सूची भेजी है। महिपाल सिंह ने चंपत राय, टिन्नू यादव, बैंक कर्मचारियों समेत कई अन्य कर्मचारियों का नाम भी लिखा है। 26 जुलाई को कमिश्नर लखनऊ और पहली एसआईटी के प्रमुख विजय विश्वास पंत ने महिपाल सिंह को मेल से लिखित रूप से साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा था। महिपाल सिंह ने एसआईटी से मांग की है कि उनकी शिकायत में शामिल सभी बिंदुओं की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए। इससे पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी एसआईटी को जमीन की खरीद में घोटाले का आरोप लगाते हुए दस्तावेज सौंपे थे। इसमें भी चंपत राय पर ही सबसे ज्यादा आरोप लगाए गए थे। महिपाल सिंह का आरोप है कि रामशंकर यादव टिन्नू यादव को तत्कालीन महासचिव चंपत राय द्वारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई थीं। वह राम मंदिर परिसर में एक तरह से स्वयंभू प्रभारी की भूमिका में काम कर रहे थे। शिकायत में कहा गया है कि कम खर्च होता था लेकिन अधिक दिखाकर धन की वसूली की जाती थी, जिसका समुचित सत्यापन भी नहीं होता था।

महिपाल सिंह ने अपनी शिकायत में राम मंदिर निर्माण की लागत पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शुरुआत में मंदिर निर्माण की अनुमानित लागत लगभग 800 करोड़ रुपये तय की गई थी, लेकिन बाद में यह बढ़कर करीब 2200 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। उनका सवाल है कि जब मंदिर का स्वरूप, डिजाइन और निर्माण योजना पहले से तय थी, तो लागत में इतनी बड़ी वृद्धि किन कारणों से हुई। यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान कई ऐसे स्थायी निर्माण कराए गए, जिनकी तत्काल आवश्यकता नहीं थी और जिन्हें अस्थायी व्यवस्था से भी पूरा किया जा सकता था। उनके अनुसार, इन कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, जिसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। चंदा चोरी कैसे होती थी, इसे भी महिपाल ने लिखित रूप से बताया है।

अकीदत के साथ निकला चेहल्लुम का शाही जुलूस, कर्बला के 72 शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता—अयोध्या। पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और कर्बला के 72 शहीदों की याद में मंगलवार को रामनगरी अयोध्या में गमगीन माहौल के बीच चेहल्लुम का शाही जुलूस निकाला गया। ऐतिहासिक धार्मिक स्थल इमामबाड़ा जवाहर अली खान से अंजुमन आबिदिया फैजाबाद के तत्वावधान में जब यह जुलूस उठाया गया, तो अलम मुबारक, शबीहे ताबूत, ताजिया और अमारियों के साथ अली असगर का झूला तथा इमाम हुसैन की सवारी जुलजनाह की जियारत के लिए बड़ी संख्या में अकीदतमंद उमड़ पड़े। तत्कालीन अवध प्रांत के तीसरे नवाब शुजाउद्दौला की पत्नी और मल्लिका—ए—अवध स्वर्गीय उम्मतुजजहरा उर्फ बहू बेगम साहिबा द्वारा स्थापित यह शाही जुलूस वर्ष 1835 से लगातार रामनगरी में निकाला जा रहा है। इमामबाड़ा से शुरू होकर यह जुलूस गुदरी बाजार, चौक, घंटाघर, फतेहगंज होते हुए शाम को मकबरा बहू बेगम नाका पहुंचकर संपन्न हुआ। अंजुमन आबिदिया ने जुलूस को खजूर मस्जिद तक पहुंचाया, जहां से अंजुमन—ए—हुसैनिया वजीरगंज ने अपने आलम के साथ जुलूस में शिरकत की। इस दौरान नोहा, मातम और सीनाजनी के साथ जंजीर और कमा का मातम भी किया गया। चौक घंटाघर पहुंचने पर मस्जिद वक्फ हसन रजा खां से अंजुमन—ए—हैदरिया खुर्द महल भी अपने अलम के साथ जुलूस में शामिल हुई और नौहा ख्वानी की। इसके बाद युवाओं ने जंजीर और कमा के मातम से लहू बहाकर अपनी अकीदत का इजहार किया और जुलूस को मकबरा बहू बेगम तक पहुंचाया, जहां मौलाना जावेद आब्दी ने मजलिस को संबोधित किया। जुलूस का नेतृत्व मुन्तजिम अशफाक हुसैन जिया के साथ ताजियादार कमेटी के अध्यक्ष हैदर मेहंदी एडवोकेट, सचिव मोनू मिर्जा, पूर्व अध्यक्ष मुनीर आब्दी और पूर्व सचिव वासी हैदर गुड्डू आदि ने किया। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक—चौबंद रही, वहीं नगर निगम की ओर से सफाई का भी विशेष ख्याल रखा गया।

कैंसर से जंग हार गया गोरखपुर पुलिस का जांबाज स्नाइफर डॉग जीएस

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर पुलिस के डॉग स्क्वॉड का जांबाज स्नाइफर डॉग जीएस मंगलवार को कैंसर से लंबी लड़ाई हार गया। पिछले चार महीने से गंभीर बीमारी से जूझ रहे वेनमोर नस्ल के इस प्रशिक्षित श्वान ने पुलिस लाइन में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।

उसकी मौत की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और एसपी सिटी निमिष पाटिल सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जीएस को पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। जीएस की उम्र नौ वर्ष थी। वर्ष 2018 में महज एक वर्ष की उम्र में उसे बीएसएफ टेकनपुर (मध्य प्रदेश) से गोरखपुर लाया गया था। यहां पुलिस डॉग स्क्वॉड ने उसे विस्फोटकों की पहचान करने के लिए विशेष स्नाइफर ट्रेनिंग दी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उसे सुरक्षा ड्यूटी में तैनात किया गया, जहां उसने अपनी दक्षता और सूंघने की अद्भुत क्षमता से पुलिस विभाग में अलग पहचान बनाई।

जीएस की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी थी। वह नियमित रूप से गोरखनाथ मंदिर परिसर की सघन जांच करता था। किसी भी संदिग्ध वस्तु या छिपाए गए बम एवं विस्फोटक की गंध मिलते ही वह अपनी टीम को तुरंत सतर्क कर देता था, जिसके बाद बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) आवश्यक कार्रवाई करता था। कई संवेदनशील ड्यूटी में उसने अपनी उपयोगिता साबित की।

रास्ते के विवाद पर मारपीट, दो पक्षों में जमकर चले लाठी—डंड

संवाददाता—अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव में मंगलवार को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अनिल तिवारी और अमितेश के बीच रास्ते को लेकर जमीन का पुराना विवाद चल रहा था। इस विवाद को लेकर पहले थाने में दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हुआ था।

आरोप है कि समझौते के बाद अनिल तिवारी अपनी साढ़े सात फीट जमीन छोड़कर अपने हिस्से में निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी दौरान अमितेश तीन—चार अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माणाधीन दीवार को गिराने लगे। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियारों से भी हमला किया गया।

घटना के समय मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी वारदात का वीडियो बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच मारपीट साफ दिखाई दे रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला और दो बच्चों की मदद करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

एसपी प्राची सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान

संवाददाता—अंबेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के तमसा नदी के किनारे संदिग्ध अवस्था में मिली एक महिला और उसके दो छोटे बच्चों को सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाने वाले अहिरौली थाने के पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई, मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई को डायल—112 पर सूचना मिली थी कि एक महिला अपने दो छोटे बच्चों के साथ तमसा नदी के किनारे संदिग्ध अवस्था में घूम रही है। सूचना मिलते ही पीआरवी पर तैनात आरक्षी धीरज सिंह और आरक्षी मानवेंद्र पाल ने मिशन शक्ति टीम, थाना अहिरौली से समन्वय स्थापित कर तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला और दोनों बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लिया।

पूछताछ और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर महिला की पहचान की गई। पुलिस ने बताया कि महिला की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी, लेकिन टीम ने धैर्य और संवेदनशीलता के साथ उसके परिजनों का पता लगाया।

इसके बाद थाना इनायतनगर के माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने महिला और दोनों बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कराई। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए महिला और बच्चों को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

इस सराहनीय कार्य में मिशन शक्ति टीम के उपनिरीक्षक इंद्रेश कुमार, आरक्षी अर्जुन राजभर, आरक्षी पवन चौहान, महिला आरक्षी उज्ज्वला सिंह, महिला आरक्षी अनुष्का पाल तथा पीआरवी पर तैनात आरक्षी धीरज सिंह और आरक्षी मानवेंद्र पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सभी पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून—व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों की सुरक्षा और सहायता करना भी है। उन्होंने कहा कि अम्बेडकरनगर पुलिस जनसेवा, सुरक्षा और मानवीय मूल्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के गौहनियां रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार को एक अज्ञात युवक की इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना गोरखपुर से लखनऊ जा रही ट्रेन के गुजरने के दौरान हुई। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर चिल्हिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लिया। आसपास के लोगों तथा राहगीरों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन कई घंटों की कोशिश के बावजूद उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। युवक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के सभी थानों को सूचित किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से भी उसकी शिनाख्त का प्रयास कर रही है, ताकि परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोरखपुर से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस के गुजरते समय युवक अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कुछ समय के लिए रेलवे ट्रैक के पास लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। चिल्हिया थाना प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता ने पुष्टि की कि ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मृत्यु हुई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल का कठोर कारावास

संवाददाता—गोरखपुर। नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) शमीम अहमद अंसारी की अदालत ने रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के महुईसुघरपुर निवासी सचिन निषाद को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर उसे दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राममिलन सिंह एवं सिद्धार्थ सिंह ने न्यायालय को बताया कि 1 जून 2022 की शाम करीब सात से आठ बजे के बीच आरोपी 14 वर्षीय नाबालिग बालिका को बहला—फुसलाकर एक निर्माणाधीन मकान में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए, जिन्हें न्यायालय ने पर्याप्त मानते हुए आरोपी को दोषी ठहराया। इसके बाद अदालत ने उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा न करने की स्थिति में आरोपी को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा।

सरयू नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में बहने वाली सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में नदी के जलस्तर में 10 सेमी की वृद्धि हुई है। वहीं राप्ती नदी का जलस्तर में भी 34 सेमी की वृद्धि हुई है। सरयू नदी खतरे के निशान से सिर्फ 65 सेमी नीचे बह रही है। इससे तटबंध के आसपास के गावों के ग्रामीणों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। वहीं राप्ती नदी 4.160 मीटर नीचे बह रही है। सरयू नदी का जलस्तर सोमवार की सुबह को 78.650 मीटर दर्ज किया गया था। वहीं सोमवार की शाम चार बजे पांच सेमी की और वृद्धि होने के साथ 78.700 मीटर पर पहुंच गया। मंगलवार की सुबह को 78.750 मीटर दर्ज किया गया। 24 घंटे में 10 सेमी जलस्तर बढ़ गया। वहीं राप्ती नदी के जलस्तर में फिर वृद्धि शुरू हो गई है। राप्ती नदी का जलस्तर सोमवार की सुबह 75.000 मीटर दर्ज किया गया। शाम चार बजे 18 सेमी और बढ़ने के साथ 75.180 मीटर पर पहुंच गया। मंगलवार की सुबह को 78.340 मीटर दर्ज किया गया। 24 घंटे में 34 सेमी जलस्तर बढ़ गया। यह खतरे के निशान से 4.160 मीटर नीचे बह रही है। सरयू के बढ़ रहे जल स्तर से महाबांध व नदी के बीच के माझा क्षेत्र में फसलें डूबने लगी हैं। इसे देख किसानों कि चिंता बढ़ गई है। कई दिनों से कुछ फसलों में पानी जमा रहने से फसल नष्ट हो जा रही है। यदि जलस्तर बढ़ता है तो तटवर्ती गांवों के किनारे सब्जी की खेती बर्बाद हो जाएगी। वहीं बाढ़ खंड विभाग नदियों के बढ़ रहे जल स्तर की निगरानी कर रहा है। विभाग का कहना है कि अभी खतरे जैसी कोई बात नहीं है। निरंतर निगरानी की जा रही है।

10 साल की बच्ची से रेप करके हत्या, नाई समाज ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता—संतकबीरनगर। गोरखपुर में 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में मंगलवार को अखिल भारतीय नाई संयुक्त मोर्चा ने जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर दोषी सिपाही अभिषेक यादव को फांसी की सजा दिलाने की मांग की। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, आवास और सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई।

राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि मृतका मूल रूप से आजमगढ़ की रहने वाली थी और अपने परिवार के साथ गोरखपुर में किराए के मकान में रहती थी। उसके पिता ई—रिक्शा चलाकर परिवार का भरण—पोषण करते हैं। 27 जुलाई को 10 वर्षीय बेटी अपनी बीमार बड़ी बहन को खाना देने जिला अस्पताल गई थी, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटी।

परिजनों की सूचना के बाद पुलिस ने अगले दिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोप है कि आरोपी ने बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी और शव नदी किनारे फेंक दिया था।

संगठन ने इस घटना को अत्यंत जघन्य बताया है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज में अपराधियों के हौसले बढ़ेंगे। ज्ञापन में आरोपी के खिलाफ त्वरित न्यायिक प्रक्रिया अपनाकर फांसी की सजा दिलाने, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि, स्थायी आवास तथा सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग दोहराई गई।

इस अवसर पर सियाराम शर्मा, सत्येंद्र नाथ शर्मा, श्रीनुज शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, संदीप शर्मा, सुरेश शर्मा, राहुल शर्मा, श्याम बिहारी शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सिविल निगरानी वाद के सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थो को सूचना

(धारा 41 नियम 14 व्या0प्र0सं0)

न्यायालय—श्रीमान अपर जिला एवं सत्र/विशेष न्यायाधीश एस0 सी0 एस0 टी0 एक्ट (पी0ए0) एक्ट महोदय सिद्धार्थनगर

सिविल निगरानी सं0 11/2025

श्रीमती सावित्री

बनाम

तेजेन्द्र कुमार उर्फ विजेन्द्र आदि

1. तेजेन्द्र कुमार उर्फ विजेन्द्र उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र वेदप्रकाश 2. श्रीमती नर्मदा देवी उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी वेदप्रकाश 3. विनय उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र वेदप्रकाश 4. कु0 सोना उम्र लगभग 31 वर्ष पुत्री वेदप्रकाश 5. कु0 मोनिका उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्री वेदप्रकाश 6. शकुन्तला उम्र लगभग 66 वर्ष पत्नी मुरलीधर सभी निवासीगण ग्राम मल्हवार बुजुर्ग तप्पा बूढ़ढी परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 19—08—2026

आपको सूचना दी जाती है कि मामले को आदेश डिक्री की अपील द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गयी है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा दिनांक 19—08—2026 नियत की गयी है। यदि इस अपील में आप की ओर से आप स्वयं या आपके अधिवक्ता या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उक्त नियति तिथि को समय 10:00 अपरान्ह उपसंजात नही होगा तो वह आपके अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जायेगी।

यह आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0—90/2025

रामसुरेश आदि

बनाम

इन्दर देवी आदि

1. इन्दर देवी मृतक पत्नी रामनाथ 1/1 अशोक कुमार पुत्र रामनाथ निवासी ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. प्रभावती देवी पत्नी जनकराम निवासी ककुआराउत तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16—09—2026

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 16 माह 09 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0—52/2025

अदालत— श्रीमान अपर जिला जज/ एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला—बस्ती

बुद्धिराम

बनाम

सोनबरसा आदि

1/1/1 श्रीमती फगुना पत्नी हुबलाल 1/1/2 रामसजीवन 1/1/3 जगजीवन पुत्रगण हुबलाल 1/2 जवाहिर पुत्र बुद्धू साकिन भिउरा तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल पूर्व तहसील बस्ती जिला संतकबीरनगर पूर्व जिला बस्ती 2/1 निसार 2/2 इसरार पुत्रगण रऊफ साकि वरडाड़ तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल पूर्व तहसील बस्ती जिला संतकबीरनगर पूर्व जिला बस्ती 3. विश्राम पुत्र लल्लू ग्राम सराय तप्पा दुबखरा परगना नगर पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम कलेक्ट्री कचहरी बस्ती जिला बस्ती

तारीख पेशी 29—08—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 08 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

वाद संख्या 93/2019

गंगाधर

बनाम

अवधेश आदि

1. अवधेश 2. महेश पुत्रगण रणजीत 3. विमला देवी पत्नी रणजीत 4. माधव प्रसाद पुत्र चन्दी प्रसाद 5. सुमित्रा देवी पत्नी चन्दी प्रसाद निवासीगण ग्राम बैजलपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 05—09—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com